Title: Need to ventilate the grievances of the employees of Chhatisgarh Electricity Board- Laid.

डॉ0 चरणदास महंत (जांजगीर): 15 नवम्बर, 2000 को देश के 26वें राज्य छत्तीसगढ़ में राज्य विद्युत मंडल का गठन हुआ है। न्यूनतम समय में अधिकतम कार्य एवं उत्पादन का लक्ष्य प्राप्त करते हुए इस विद्युत मंडल ने विगत 43 वार्ो की तुलना में राज्य के विकास एवं जनहित में अनेक कीर्तिमान व उपलब्धियां अर्जित की हैं। राज्य शासन द्वारा इस वर्ा मंडल को गण्तंत्र दिवस के अवसर पर उत्कृट कार्य एवं उपलब्धियां अर्जित करने के पश्चात भी मंडल के अधिकारी एवं कर्मचारी अपनी अनेक जायज सुविधाओं से वंचित हैं। जैसे श्रेणीवार 5065 पद रिक्त पड़े हैं, अनुकंपा नियुक्ति के 410 प्रकरण, भवियनिधि के अंतिम भुगतान के 861 प्रकरण, भविष्यनिधि पार्ट फाईनल का भुगतान न करना, 60 प्रतिशत अधिकारी एवं कर्मचारी समयबद्ध पदोन्नति तथा उच्चतर वेतनमान प्रकरण की सुविधा से वंचित हैं, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी 4 वार्ो से वेतन वृद्धि लाभ से वंचित हैं, 700 अधिकारी/कर्मचारी छत्तीसगढ़ के मूल निवासी सेवा विकल्प न होने से मध्य प्रदेश में ही पदस्थ हैं जबकि उनके स्थान पर अन्य राज्य के अधिकारी/कर्मचारी स्थानांतरित कर पदस्थ किये गये हैं।

मेरी भारत सरकार से मांग है कि कर्मचारियों की उपर्युक्त समस्याओं के समाधान हेतु तुरंत हस्तक्षेप कर उन्हें हर संभव सहायता की जाये।